आकाशवाणी केन्द्र शिमला
16.02.2026 / प्रादेशिक समाचार / 19:45बजे

मुख्य समाचार

- प्रदेश विधानसभा का बजट सत्र राज्यपाल के अभिभाषण के साथ आज से शिमला में शुरू– राज्यपाल ने 3 मिनट के भीतर ही समाप्त किया अपना अभिभाषण।
- विधानसभा में राजस्व घाटा अनुदान बंद होने पर चर्चा आरंभ– विपक्ष ने जताया विरोध– राज्य सरकार को फिजूलखर्ची रोकने की दी सलाह।
- मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने आरडीजी को बताया प्रदेश का संवैधानिक अधिकार।
- मंडी का अंतर्राष्ट्रीय शिवरात्रि महोत्सव शाही जलेब के साथ शुरू– उप–मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने किया शुभारंभ।

विधानसभा सत्र

प्रदेश की 14वीं विधानसभा का बजट सत्र आज से शिमला में शुरू हो गया है। सत्र की शुरूआत दोपहर बाद 2 बजे राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल के अभिभाषण के साथ हुई। राज्यपाल द्वारा सदन पटल पर रखे गए अभिभाषण में कहा गया है कि इस सत्र का आयोजन वर्ष 2025–26 के लिए अनुपूरक अनुदान मांगों, वर्ष 2026–27 के बजट अनुमान पारित करने और महत्वपूर्ण विधायी कार्यों के लिए किया गया है। अभिभाषण में राज्यपाल ने सरकार की उपलब्धियों का ज़िक करते हुए कहा कि 3 वर्षों में राज्य के कर राजस्व में 3 हज़ार 3 सौ करोड़ रूपये और गैर कर राजस्व में एक हज़ार 6 सौ करोड़ रूपये की वृद्धि हुई है। उन्होंने बताया कि इंदिरा गांधी प्यारी बहना सुख–सम्मान निधि योजना के तहत प्रदेश में इस समय 35 हज़ार 6 सौ 87 पात्र महिलाओं को 15 सौ रूपये हर महीने दिए जा रहे हैं। शिव प्रताप शुक्ल ने कहा कि पिछले 3 वर्षों के दौरान प्राकृतिक आपदाओं से प्रदेश में 16 हज़ार 5 सौ करोड़ रूपये का नुकसान हुआ है। विस्तृत यौरे के साथ हमारे विशेष संवाददाता ––

विधानसभा के बजट सत्र की शुरूआत आज राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल के अभिभाषण के साथ हुई। राज्यपाल ने अभिभाषण की कुछ लाइनें पढ़ीं और सदस्यों से आग्रह किया कि वे अपने आप अभिभाषण को पढ़ें और इस पर मनन करें। उन्होंने ने कहा कि अभिभाषण में पैरा–3 से 16 तक संवैधानिक संस्थाओं के खिलाफ टिप्पणियां हैं जो संवैधानिक मर्यादाओं से परे है। इसके बाद राज्यपाल ने अपना अभिभाषण समाप्त कर दिया। राज्यपाल ने उम्मीद जताई कि सभी सदस्य सदन की उच्च परंपरा के अनुसार सरकार की नीतियों व कार्यक्रमों पर रचनात्मक विचार–विमर्श करेंगे। विधानसभा परिसर में पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कहा कि अभिभाषण में संविधान के तहत बातें लिखी गई हैं। उन्होंने कहा कि सदन में होने वाली कार्यवाही का एजैंडा सभी सदस्यों को पहले ही दे दिया गया है।

दूसरी ओर पत्रकारों से बातचीत में नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि इतिहास में ऐसा पहली बार हो रहा है कि किसी भी सदस्य को ये पता नहीं है कि बजट कब पेश होगा। उन्होंने कहा कि केवल 3 दिन के सत्र की अधिसूचना ही जारी की गई है।

बजट सत्र से पहले विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने सर्वदलीय बैठक बुलाई और दोनों पक्षों से सत्र के सफल संचालन में सकारात्मक सहयोग की अपील की।

रितेश कपूर आकाशवाणी समाचार शिमला।

आरडीजी

राजस्व घाटा अनुदान बंद करने के मुद्दे पर आज विधानसभा में चर्चा शुरू हुई। संसदीय कार्य मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने राजस्व घाटा अनुदान को लेकर नियम–102 के तहत सदन में सरकारी संकल्प प्रस्तुत किया। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने आरडीजी पर चर्चा का विरोध करते हुए कहा कि इसका राज्यपाल के अभिभाषण में विस्तृत ज़िक्र किया गया है। उन्होंने राज्य सरकार को अपने मित्रों को दी गई नियुक्तियों पर तुरंत विचार करने की सलाह देते हुए कहा कि यदि फिजूलखर्ची नहीं रोकी गई तो आने वाले समय में कर्मचारियों के वेतन, भत्तों, पैंशन, जीपीएफ और विकास कार्यों पर संकट आना तय है।

चर्चा में हस्तक्षेप करते हुए मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि प्रदेश में आर्थिक संकट के बावजूद कर्मचारियों के लिए शुरू की गई पुरानी पैंशन योजना बंद नहीं होगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार बिजली बोर्ड का निजीकरण नहीं करेगी और इसे अधिक मज़बूत किया जाएगा। पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि आरडीजी प्रदेश का संवैधानिक अधिकार है और इसे बंद नहीं किया जा सकता।

शोकोद्गार

विधानसभा में आज पूर्व विधायक भगतराम चौहान को श्रद्धांजलि दी गई। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने शोकोद्गार प्रस्तुत किया और उनकी आत्मा की शांति के लिए मौन भी रखा गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगतराम चौहान हमेशा ही सामाजिक कार्यों के लिए तत्पर रहते थे और उन्होंने महिलाओं, किसानों व बागवानों के हितों की लड़ाई दलगत राजनीति से ऊपर उठकर लड़ी। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि भगतराम चौहान हमेशा किसानों व बागवानों के हितों की पैरवी करते थे और वे भाजपा में विभिन्न पदों पर रहे। शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर और लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने भी शोकोद्गार में भाग लिया। विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने कहा कि इसी वर्ष 5 जनवरी को भगतराम चौहान का निधन हुआ था। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति की कामना की।

मंडी–शिवरात्रि

मण्डी का अंतर्राष्ट्रीय शिवरात्रि महोत्सव आज से शुरू हो गया है। उप–मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने महोत्सव का शुभारंभ किया। इस मौके पर राजदेवता माधोराय की पहली शाही जलेब यानि शोभा यात्रा निकाली गई। छोटी काशी मंडी में आज आस्था, परंपरा और उल्लास का भव्य संगम देखने को मिला। सदियों पुरानी देव संस्कृति एक बार फिर जीवंत हो उठी, जब पूरा नगर भोलेनाथ के जयकारों से गूंजायमान हुआ। राजदेवता माधोराय की शाही जलेब में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। मेले की दूसरी जलेब 19 फरवरी और अंतिम शाही जलेब समापन अवसर पर 22 फरवरी को निकाली जाएगी।

कलाकार

प्रदेश के जाने–माने लोक कलाकार करनैल राणा और लैहरू राम सांख्यान ने राज्य की लोक संस्कृति के प्रचार–प्रसार में आकाशवाणी शिमला की भूमिका की सराहना की है। उन्होंने कहा कि आकाशवाणी ने प्रदेश के कलाकारों को भी बेहतर मंच प्रदान किया है और लोक गीतों, लोक गाथाओं व संस्कृति को संजोकर रखने में भी उल्लेखनीय कार्य किया है। इन कलाकारों ने प्राचीन लोक गीतों से छेड़छाड़ न करने की वकालत की है।

मिड–डे–मील

मिड–डे–मील कर्मचारी यूनियन ने राज्य सरकार से पिछले दिनों कांगड़ा ज़िले के देहरा उपमंडल में मिड–डे–मील महिला कर्मचारी की डियूटी के दौरान की गई हत्या पर गहरा दुख जताया है। यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष संदीप ने नाहन में पत्रकारों से बातचीत में राज्य सरकार से मृतका के परिजनों को आर्थिक सहायता और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग की है।

मृतका जो है जिसकी मृत्यु हुई है सुलोचना देवी उसके परिवार को 25 लाख मौज दिया जाए और उसके परिवार की सुरक्षा के लिए कोई प्रावधान किया जाए और अगर परिवार में क्योंकि गरीब घर में कौन लगता है क्योंकि मिडेमील में कौन लगता है जिनकी आय सबसे कम होती है और परिवार के किसी सदस्य को सरकारी नौकरी हिमाचल प्रदेश सरकार को देनी चाहिए।